सत्यमेव जयते

# SKICHENGANI
# गारो भाषा प्रवेशिका
# GARO PRIMER

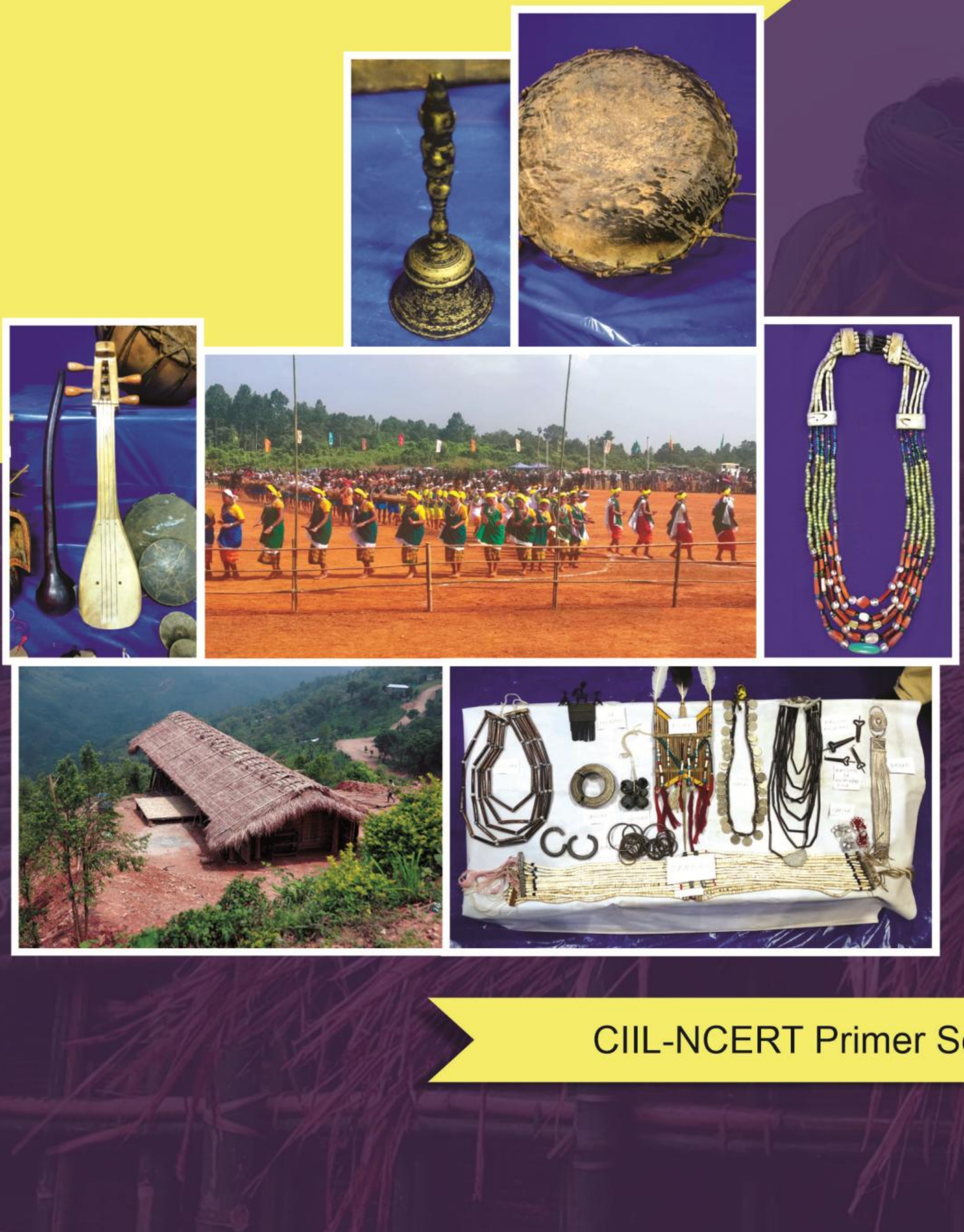

CIIL-NCERT Primer Series

# ई–पाठशाला

## क्यूआर (QR) कोड से संबद्ध ई–सामग्री प्राप्त करने के लिए उपयोगकर्ताओं के लिए चरणबद्ध मार्गदर्शिका

प्रत्येक अध्याय के पहले पृष्ठ पर स्थित कोड बॉक्स को क्विक रिस्पांस कोड – क्यूआर (QR) कोड कहते हैं। यह आपको अध्याय में दिए गए विषयों से संबंधित ई–सामग्री, जैसे ऑडियो, वीडियो, मल्टीमीडिया, पाठ्य–सामग्री आदि को प्राप्त करने में सहायता करेगा। पहला क्यूआर कोड संपूर्ण ई–पाठ्यपुस्तक प्राप्त करने के लिए है और प्रत्येक अध्याय में दिए गए क्यूआर कोड उस अध्याय से संबंधित ई–सामग्री प्राप्त करने में मदद करेंगे। यह प्रक्रिया आपको आनंदपूर्ण तरीके से सीखने में मदद करेगी।

अपने मोबाइल फ़ोन या टेबलेट द्वारा निम्नवत् चरणों का पालन कर और ई–पाठशाला के माध्यम से ई–सामग्री प्राप्त करें।

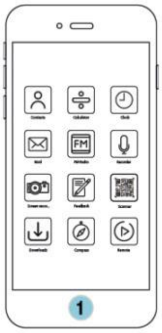

प्ले स्टोर से ई–पाठशाला स्कैनर एप इंस्टॉल करें और इसे खोलें

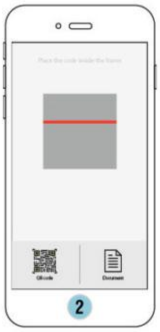

क्यूआर कोड स्कैनिंग विंडो को तैयार रखें

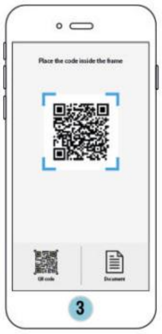

स्कैनर से क्यूआर कोड को स्कैन करें

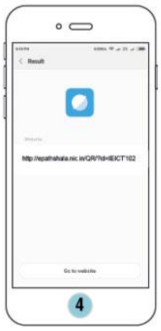

लिंक को सिलेक्ट एवं क्लिक करें

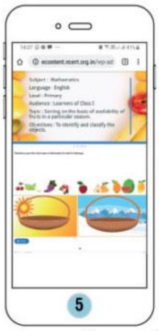

उपलब्ध ई–सामग्री का प्रयोग करें

डेस्कटॉप या लैपटॉप पर ई–पाठशाला द्वारा ई–सामग्री प्राप्त करने के लिए नीचे दिए गए चरणों का पालन करें–
https://epathshala.nic.in/topics.php पर जाएँ और क्यूआर कोड के नीचे दिए गए एल्फान्यूमेरिक कोड को दर्ज करें।

# दीक्षा

**दीक्षा** एप को गुगल प्लेस्टोर से डाउनलोड करें फिर नीचे दिए गए चरणों का पालन करें। **दीक्षा** का उपयोग करते हुए आप अपने स्मार्टफोन या टेबलेट से ई–सामग्री प्राप्त करें।

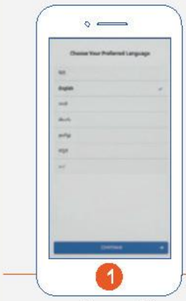

अपनी पसंदीदा भाषा का चयन करें

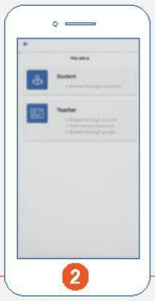

अपनी भूमिका चुनें–शिक्षक या विद्यार्थी

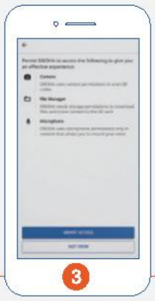

पहुँच प्रदान करें और एप को अनुमति दें

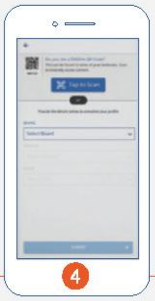

क्यूआर कोड को स्कैन करने के लिए टैप करें

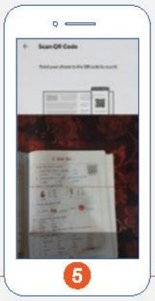

कैमरा पाठ्यपुस्तक के क्यूआर कोड पर फोकस करें

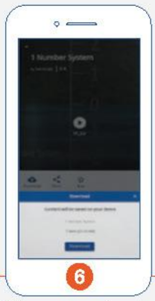

क्लिक करके क्यूआर कोड से संबद्ध ई–सामग्री प्ले करें

डेस्कटॉप या लेपटॉप पर दीक्षा का उपयोग करते हुए ई–सामग्री प्राप्त करने के लिए नीचे बताए गए चरणों का पालन करें–
https://diksha.gov.in/resources पर जाएँ और क्यूआर कोड के नीचे दिए गए एल्फान्यूमेरिक कोड को दर्ज करें।

# SKICHENGANI
# गारो भाषा प्रवेशिका
# GARO PRIMER

**भारतीय भाषा संस्थान**
**Central Institute of Indian Languages**
**(Department of Higher Education, Ministry of Education, GoI)**
**Manasagangotri, Mysuru - 570 006**
**Ph: 0821 2515820 (Director)**
**email: ada-ciilmys@gov.in**

**राष्ट्रीय शैक्षिक अनुसंधान और प्रशिक्षण परिषद्**
**National Council of Educational Research and Training**
**Sri Aurobindo Marg**
**New Delhi - 110016**
**Ph: 011 2696 2580**
**email: dceta.ncert@nic.in**

# SKICHENGANI
# गारो भाषा प्रवेशिका
# GARO PRIMER

A basal reader of Garo alphabet and basic numerals for the kids of Balvatika/Anganwadi levels and adult literacy programmes through andragogy, prepared by Central Institute of Indian Languages (CIIL), Mysuru and National Council of Educational Research and Training (NCERT), New Delhi.

*Editors*

Dinesh Prasad Saklani
Shailendra Mohan
Aleendra Brahma
Pinki Wary

*ISBN:* 978-81-970769-6-1

*First Edition:* March 9, 2024

*Published by* CIIL, Mysuru in collaboration with NCERT, New Delhi.

© CIIL & NCERT 2024
*All rights reserved.* No part of this primer may be reproduced, stored in a retrieval system, or transmitted into any form or by any means, electronic, mechanical, photocopying and recording or otherwise, without the prior permission of the publisher.

*Cover Design:* Nandakumar L
*Cover Photo:* Rhinkle M Marak & Sembertush A Sangma

*Printed by* CIIL, Mysuru and NCERT, New Delhi.

**धर्मेन्द्र प्रधान**
**ଧର୍ମେନ୍ଦ୍ର ପ୍ରଧାନ**
**Dharmendra Pradhan**

सत्यमेव जयते

आज़ादी का अमृत महोत्सव

**मंत्री**
**शिक्षा; कौशल विकास**
**और उद्यमशीलता**
**भारत सरकार**
**Minister**
**Education; Skill Development**
**& Entrepreneurship**
**Government of India**

# प्रस्तावना

राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 के साथ-साथ बुनियादी स्तर की राष्ट्रीय पाठ्यचर्या की रूपरेखा 2022, तीन वर्ष से आठ वर्ष तक के आयु-वर्ग के बच्चों के लिए मातृभाषा/ घरेलू भाषा/ स्थानीय भाषा/ क्षेत्रीय भाषा में शिक्षण पर बल देती है। भारत सरकार ने बाल वाटिका, आद्य साक्षरता तथा बुनियादी साक्षरता की शुरुआत की है। हमारे देश के कई क्षेत्रों में बच्चों को स्कूलों में पढ़ाने की भाषा समझने में कठिनाई होती है। इसके लिए मातृभाषा/ स्थानीय भाषा/ घर में बोली जाने वाली भाषा में शब्द जोड़कर, स्थानीय गीतों और कहानियों को सुनाकर बच्चों की इस कठिनाई को दूर करना आवश्यक है। बच्चों को अक्षर-पहचान के साथ-साथ अर्थपूर्ण ढंग से पढ़ना और लिखना सिखाया जाना चाहिए। देश के विभिन्न भागों का दौरा करते हुए तथा वहाँ के शिक्षकों एवं बच्चों से बातचीत करते समय हमें इस बात का बोध हुआ कि भारत की विभिन्न भाषाओं तथा मातृभाषाओं में भाषा शिक्षा से संबंधित महत्वपूर्ण पुस्तकों की आवश्यकता है।

अतः हमने एन.सी.ई.आर.टी तथा भारतीय भाषा संस्थान, मैसूर को देश की सभी भाषाओं तथा मातृभाषाओं में ऐसी प्रवेशिकाओं का निर्माण करने हेतु उत्प्रेरित किया जो न केवल वैज्ञानिक विधि से अक्षर-पहचान के साथ पढ़ना और लिखना सीखने में मदद करें, बल्कि बच्चों को वहाँ के सांस्कृतिक पहलुओं का ज्ञान भी करवाएँ। अपनी भाषा तथा संस्कृति का ज्ञान आत्मनिर्भरता तथा विकास की ओर पहला कदम होता है। डिजिटल प्रारूप में ये सभी प्रवेशिकाएं बच्चों, शिक्षकों तथा अभिभावकों को पूर्णत: नि:शुल्क रूप से भी उपलब्ध होगी।

ये प्रवेशिकाएं राष्ट्रीय शिक्षा नीति और राष्ट्रीय पाठ्यचर्या की रूपरेखा के अनुसार स्थानीय सामग्री के उदाहरण प्रस्तुत करते हुए तैयार की गई हैं। इनमें शिक्षकों को यह समझने हेतु भी पर्याप्त अवसर दिए गए हैं कि बच्चों को भाषा का प्रारंभिक ज्ञान सही विधि से कैसे कराया जाए। इन प्रवेशिकाओं की मदद से बच्चे अपनी भाषाओं तथा मातृभाषाओं की ध्वनियों, वर्णों और शब्दों के साथ-साथ संबंधित राज्य की राजभाषा/ओं तथा संस्कृति का भी बुनियादी ज्ञान प्राप्त कर सकेंगे।

इस अवसर पर मैं समिति के सदस्यों, विशेषज्ञों और भाषा शिक्षकों के प्रति अपना हार्दिक आभार व्यक्त करना चाहूँगा जिन्होंने इन प्रवेशिकाओं को तैयार करने में महत्वपूर्ण योगदान दिया और अपना बहुमूल्य समय लगाया। मुझे विश्वास है कि इन प्रवेशिकाओं से भाषाओं तथा मातृभाषाओं के पठन-पाठन हेतु बच्चों, शिक्षकों तथा अभिभावकों को लाभ होगा।

धर्मेन्द्र प्रधान

**सबको शिक्षा, अच्छी शिक्षा** स्वच्छ भारत **कौशल भारत, कुशल भारत**

**MOE - Room No. 301, 'C' Wing, 3rd Floor, Shastri Bhavan, New Delhi-110 001, Phone : 91-11-23782387, Fax : 91-11-23382365**
**MSDE - Room No. 516, 5th Floor, Shram Shakti Bhawan, Rafi Marg, New Delhi-110001, Phone : 91-11-23465810, Fax : 011-23465825**
**E-mail : minister.sm@gov.in, minister-msde@gov.in**

# प्राक्कथन

भाषा समाज का एक अभिन्न अंग है। भाषा संस्कृति का एक उपादान है, समुदाय की पहचान है और पीढ़ियों के लिए ज्ञान के संचरण का स्रोत भी है। भाषा सभ्यता के विकास को प्रेरित करती है और मानव को उच्चतर स्तर पर रूपांतरित करती है। यह तथ्य कि भारत एक बहुभाषिक देश है-एक ओर भारत की भाषिक विविधता को दर्शाता है तो दूसरी ओर यह भी बताता है कि कैसे यह एक सामाजिक विविधता है। साथ ही यह भी बताता है कि लगभग सभी भारतीय सही अर्थों में द्विभाषिक या बहुभाषिक हैं। हम जानते हैं कि भारत की 2011 की जनगणना में 121 भाषाओं और 270 मातृभाषाओं/बोलियों की सूची दी गई है। भारतीय संविधान के खंड XVII और 8वीं अनुसूची की 343 से 351 तक की धाराएँ देश की भाषाओं के मुद्दों पर हैं। बच्चों का सामाजिक एवं संज्ञानात्मक विकास भाषा के द्वारा समृद्ध होता है, क्योंकि समाजीकरण का कार्य मातृभाषा अथवा परिवार एवं पड़ोस की भाषा में होता है। यह एक स्थापित बिंदु है कि बच्चों के पास भाषाओं को सीखने की जन्मजात क्षमता होती है, अतः राष्ट्रीय पाठ्यचर्या की रूपरेखा 2023 में विद्यालयी शिक्षा के प्रारंभिक दिनों (आधारभूत चरण) में शिक्षा हेतु माध्यम के रूप में मातृभाषा के उपयोग और मातृभाषा-आधारित शिक्षा पर अत्यधिक बल दिया गया है।

विद्यालयों में बच्चों की मातृभाषा की उपलब्धता को सुनिश्चित करना और यह देखना कि बच्चे किसी अपरिचित भाषा में शिक्षा-प्राप्ति के भय से मुक्त हों-ये किसी भी सफल शिक्षा-व्यवस्था के शाश्वत सिद्धांत हैं। राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 में भाषा खंड को '*बहुभाषिकता और भाषा की शक्ति*' का शीर्षक दिया गया है जो बहुत ही सटीक है तथा यह विद्यालयी शिक्षा में सभी भाषाओं के विकास के महत्व पर बल देता है। भारत सरकार देशभर में मातृभाषा-आधारित शिक्षा प्रदान करने के लिए कटिबद्ध है और विभिन्न पहलों एवं परियोजनाओं के माध्यम से इसे लागू करने हेतु सतत प्रयास कर रही है। बच्चों की घर की भाषा में शिक्षा की यह मज़बूत नींव न केवल भविष्य में विद्यालय एवं उच्चतर शिक्षा को सबल बनाने में सहायक होगी बल्कि इसका एक उद्देश्य यह भी है कि बच्चे अन्य भाषाओं को सीखने के लिए भी प्रेरित हों।

राष्ट्रीय शैक्षिक अनुसंधान और प्रशिक्षण परिषद (एनसीईआरटी) एवं भारतीय भाषा संस्थान (सीआईआईएल) द्वारा संयुक्त रूप से तैयार प्रवेशिकाओं) प्राइमरों( का लक्ष्य छोटे बच्चों या अन्य भाषा सीखने वाले किसी अन्य व्यक्ति को मुद्रित एवं दृश्य माध्यम से भाषाओं से सुपरिचित बनाना है। इन प्रवेशिकाओं का विकास विलुप्ति का खतरा झेल रही अनेक भाषाओं के दस्तावेजीकरण के प्रयासों में भी अपना योगदान दे रहा है। अतः भाषाओं का संरक्षण और विकास करना तथा सभी भाषाओं को विद्यालय में लाकर विद्यालयी शिक्षा, विशेषकर इसके निर्माणात्मक वर्षों को समावेशी बनाना प्रत्येक व्यक्ति का दायित्व है। कहने की आवश्यकता नहीं कि यह भारतीय संविधान की समानाधिकारवादी लोकतंत्र की आत्मा के अनुरूप है और प्रत्येक समुदाय एवं व्यक्ति के भाषिक अधिकारों का सुदृढ़ीकरण है। मुझे विश्वास है कि ये पुस्तिकाएँ राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 में परिकल्पित बहुभाषिक शिक्षा की अवधारणा को प्रोत्साहन प्रदान करेंगी। साथ ही अनेक जनजातीय, अल्पसंख्यक एवं अल्पप्रयुक्त भाषाओं में अंतर्वस्तु के विकास का मार्ग भी प्रशस्त करेंगी तथा एनसीईआरटी द्वारा आधारभूत चरण हेतु विकसित अन्य सामग्रियों, जैसे-बालवाटिका, विद्या प्रवेश आदि के लिए सहायक सामग्री का कार्य करेंगी। शिक्षकों, अभिभावकों एवं बच्चों की शिक्षा के लिए कार्य करने वाले शिक्षाविदों के हाथों में इन प्रवेशिकाओं को देते हुए मैं माननीय शिक्षा मंत्री श्री धर्मेन्द्र प्रधान जी का उनके प्रेरणादायक मार्गदर्शन के लिए अनुगृहीत हूँ। मैं इन प्रवेशिकाओं के सफल विकास एवं प्रकाशन हेतु गठित समिति के कार्यकारी समूहों के अध्यक्षों, सदस्यों तथा समन्वयकों को भी धन्यवाद देता हूँ। मैं आशा करता हूँ कि शिक्षा मंत्रालय, भारत सरकार; एनसीईआरटी एवं सीआईआईएल का यह संयुक्त प्रयास मातृभाषा आधारित बहुभाषी शिक्षा के उत्थान हेतु राज्यों एवं शिक्षा के अभिकरणों के लिए प्रेरणा का स्रोत बनेगा और बहुभाषी शिक्षा को प्रोत्साहन देने वाले एक राष्ट्रीय अभियान का रूप लेगा ताकि अपनी मातृभाषा का एवं अपनी मातृभाषा में अध्ययन करने के हर विद्यार्थी के अधिकार की रक्षा हो सके।

मार्च, 2024
नई दिल्ली

प्रो. दिनेश प्रसाद सकलानी
निदेशक
राष्ट्रीय शैक्षिक अनुसंधान और प्रशिक्षण परिषद्, नई दिल्ली

# भूमिका / Introduction

भारत सदियों से एक बहुभाषिक देश रहा है जहाँ कई भाषाएँ/मातृभाषाएँ बोली जाती हैं। यह देश की एक महत्वपूर्ण विशेषता है कि हम अपने दैनिक व्यवहार में कई भाषाओं का प्रयोग करते हैं जो हमें एक साथ बांधती हैं और एकजुट रखती हैं। राष्ट्रीय शिक्षा नीति (एनईपी) 2020 में इस बात पर अत्याधिक बल दिया गया है कि भारत की बहुभाषिक प्रकृति एक बहुत बड़ी संपत्ति है जिसका देश के सामाजिक-सांस्कृतिक, आर्थिक और शैक्षणिक विकास के लिए कुशलतापूर्वक उपयोग करने की आवश्यकता है। यह शिक्षा में हर स्तर पर बहुभाषावाद को बढ़ावा देने की अनुशंसा करती है ताकि विद्यार्थियों को अपनी भाषाओं में अधययन करने का अवसर प्राप्त हो सके। सभी भारतीय भाषाओं में शिक्षण-अधिगम सामग्री के सृजन से इस बहुभाषिक संपदा में वृद्धि होगी और इससे विकसित भारत के निर्माण में  बेहतर योगदान हो सकेगा। एनईपी 2020 की अनुशंसाओं के अनुरूप, प्रारंभिक कक्षा की प्रवेशिकाओं के विकास के लिए एक व्यापक और समावेशी दृष्टिकोण की आवश्यकता है जो भारत के प्रत्येक क्षेत्र की अनोखी भाषाई और सांस्कृतिक विशेषताओं के अनुरूप हो। इन प्रवेशिकाओं का उद्देश्य प्रारंभिक कक्षा के छात्रों को पढ़ने और लिखने में प्रवीणता प्रदान करना और उनकी रचनात्मकता और आलोचनात्मक सोच को बढ़ावा देना है। यह किसी भाषा के प्रतीकों और उसकी वर्णमाला के अक्षरों के बोध, अभिज्ञान एवं उच्चारण की कुंजी है। ये प्रवेशिकाएं बच्चों को इन अक्षरों के एक या एक से अधिक समुच्चयों के अर्थ से भी अवगत कराती हैं जो उनके संयोजनों जैसे, शब्द में उन अक्षरों की आरंभिक, माध्यमिक या अंतस्थ स्थिति से बनते हैं। इसके अतिरिक्त, ये बाद में बताए गये अक्षरों के लेखन के अभ्यास को सुगम बनाने हेतु उदाहरण प्रस्तुत करते हैं और ये शिशुगीत/छंद/तुकांत बच्चों की भाषा तथा उनके संज्ञानात्मक कौशलों के विकास में भी सहायक सिद्ध होगी।

Bharat has been a multilingual country for ages, with many languages spoken in different regions of the country. Using multiple languages in our verbal repertoire is a common characteristic of the country; it binds us together and keeps us united. National Education Policy (NEP) 2020 strongly emphasises the idea, that the multilingual nature of Bharat is a huge asset that needs to be utilized efficiently for the socio-cultural, economic, and educational development of the nation. It recommends the promotion of multilingualism in education at every level so that learners get the opportunity to study in their own language(s). The creation of teaching-learning material in all Bharatiya languages will thus boost this multilingual asset and allow it to make a better contribution to ‘Viksit Bharat’. That said, developing early-grade primers in alignment with NEP 2020 requires a comprehensive and inclusive approach that addresses the unique linguistic and cultural characteristics of each region in India. These primers aim to provide not only language proficiency in reading and writing but also foster creativity and critical thinking among the early-stage learners. It is a key to pronouncing, recognising, comprehending letters of the alphabet and symbols of a language. It also familiarizes children with the meaning of one or more sets of these letters made through their combinations such as letters in initial, medial and final positions of the word. Moreover, it provides examples that facilitate writing practice of the letters introduced later; and the rhymes will help students in their language development and cognitive skills.

मार्च, 2024
मैसूरु

प्रो. शैलेंद्र मोहन
निदेशक
भारतीय भाषा संस्थान, मैसूरु

## CIIL-NCERT Primer Series: Garo Primer Development Team

*Guidance*

Dinesh Prasad Saklani, Director, NCERT, New Delhi
Shailendra Mohan, Director, CIIL, Mysuru
Chamu Krishna Shastry, Chairman, Bharatiya Bhasha Samiti (BBS), New Delhi

*Advisors*

Amarendra P. Behera, Joint Director, Central Institute of Educational Technology, NCERT, New Delhi
Ramanujam Meganathan, Professor, Department of Education in Languages, NCERT, New Delhi
Awadesh Kumar Mishra, Chief Coordinator (Academic), BBS, New Delhi
Sandhya Singh, Professor, Department of Education in Languages, NCERT, New Delhi
Mohd. Faruq Ansari, Professor, Department of Education in Languages, NCERT, New Delhi
Pankaj Dwivedi, Assistant Director (Admin) i/c, CIIL, Mysuru

*Member Coordinator*

Aleendra Brahma, Lecturer-cum-Junior Research Officer, CIIL, Mysuru

*Member Co-Coordinator*

Salam Brojen Singh, Resource Person (Teaching) in Manipuri, North Eastern Regional Language Centre, (CIIL), Guwahati

*Resource Persons*

Caroline R Marak, Former Professor & HOD, Department of Garo, NEHU, Tura Campus, Tura, Meghalaya
Fameline K Marak, Professor, Department of Garo, NEHU, Tura Campus, Tura, Meghalaya
Dokatchi Ch Marak, Associate Professor, Department of Garo, NEHU, Tura Campus, Tura, Meghalaya

*Design Team*

Nandakumar L, JRP (Technical), National Translation Mission, CIIL, Mysuru
Jewsnrang Basumatary, Resource Person (Teaching) in Bodo, NERLC, (CIIL), Guwahati
Saravanan A S, Graphic Editor, Scheme for Protection and Preservation of Endangered Languages (SPPEL), CIIL, Mysuru
Shwetha K, Artist, Bharatavani, CIIL, Mysuru
Puttaraju K, Data Input Operator, SPPEL, CIIL, Mysuru
Shobharani B, Data Input Operator, SPPEL, CIIL, Mysuru
G. Yuvaraj, Data Input Operator, SPPEL, CIIL, Mysuru

*We sincerely acknowledge the copyright holders of the pictures used in this primer, anonymously and we also declare that the pictures are used for purely educational purposes only.*

# HOW TO USE THE GARO PRIMER

Under the National New Education Policy, 2020 and National Curriculum Framework, 2022, arrangements have been made for imparting education in mother tongue, home language, local language and regional language for children of three to eight years of age. There are numerous benefits in imparting education in the learners’ mother tongue. This inculcates the sense of love for their mother language to the children. With this perspective, the Central Government has made arrangements to impart Bal Vatika to children of 3 to 5 years and basic literacy at primary-primary level to children of class I-II. It focuses on the development of children's oral language by removing their silence through local songs and stories. This is being done through the story telling and conversation practices. Along with this, language teaching book is also being used for children's voice introduction, alphabet introduction, reading and writing practice.

Teaching children in the mother tongue from Bal Vatika level to class III can develop creativity and imagination power along with their intellectual development. The meaningful method of how children can gradually learn Hindi and read and write in English language along with learning to read and write in their mother tongue has been written in detail in the National Curriculum Framework, 2022. In this book, vocabulary from children's culture and environment has been collected and given space.

The basic goal of multilingual education is to increase the proficiency of reading and writing in the state language by starting the children to read and write from the home language. Presented in Garo and English languages, this book has been prepared for teachers and students of Garo of Meghalaya. There are four major steps to fundamental literacy. In the first step, intellectual development of children is done through stories, stories and pictures. After that, for language teaching, children are introduced to the interaction of objects as well as words. Letters arranged in words are recognised. In this synonym, children learn to de-code individual letters. Through decoding, children understand the interaction between sound and letter. The basic points of how to read the language education book are written below.

**Sound Introduction:** Children will look at the picture and say the name of the object. Teachers will ask, what sound does the name of the picture begin with? For example, seeing the picture 'Achak', it starts with the 'A' sound, children will recognise this.

**Letter Introduction:** The teacher will first tell the children how the letter 'A' looks. Out of some of the given words, 'A' is asked to identify the letter. Out of three or four words, children will pronounce the sound of the letter 'A' and practice writing the letter 'A'.

**Reading:** Children will speak words in their own language by looking at pictures. Children will read 'Achak' by running their finger from left to right of that word. By reading other words and where 'A' is in the words, children will recognise and speak 'A'. The teacher will tell the children, where 'A' is, at the beginning, middle and end of the word.

While reading 'A' on the black board, the teacher will also write three or four other words along with the word 'Achak'. He will ask the children to read words and recognise letters. Children will be able to recognise these words by looking at the pictures in the book. Children will feel comfortable reading it in their mother tongue.

**Writing:** Teachers will first teach children to write 'A' of the word 'Achak'. Teachers will show you how to move the pen to write from left to right. After that, the children will write 'A' themselves in the blank space given in the book and by looking at the alphabet. Teachers will assist in this while children read and write.

On•sogimin ritingrangko nibo aro bangbanggipa biaprango sale nina jotton ka•bo :

Riting Songdo :

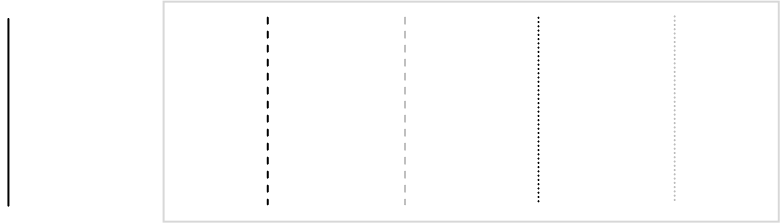

Riting tuenggipa :

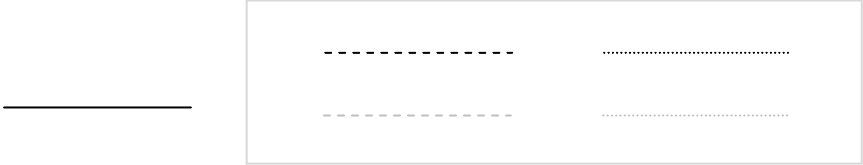

Riting Dambeng 1 :

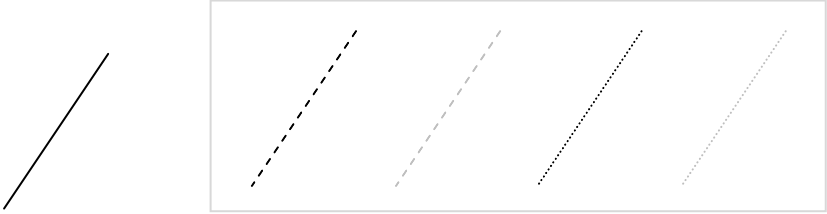

Riting Dambeng 2 :

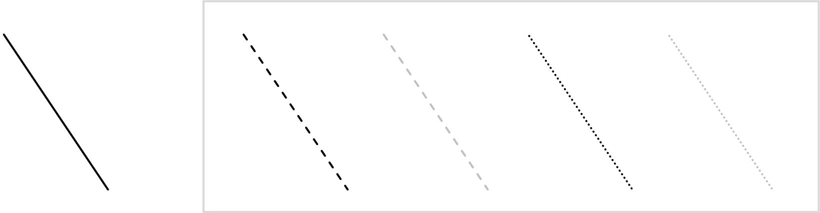

Riting Goma1 :

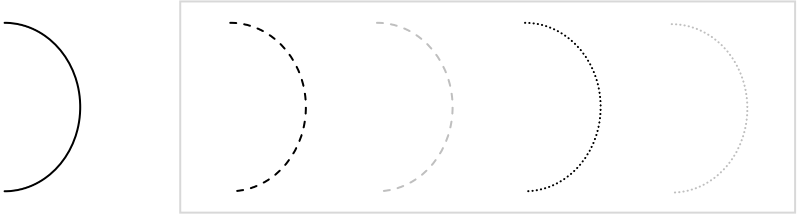

Riting Goma 2 :

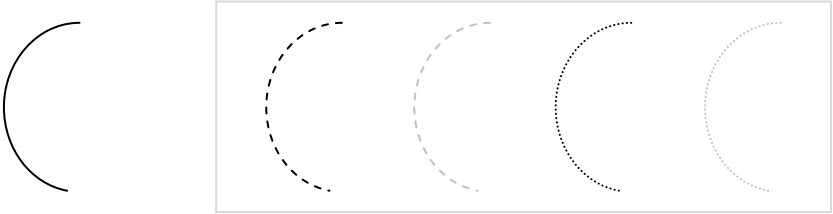

*See rakkiani:* Maikai kolomko rim•na nanga aro on•sogimin bangbanggipa biaprango maikai ritingrangko salna nanga uko skigipa skie on•gen.

## VOWEL OIKOR-RANG

(Vowel Letters)

A E I ɨ O U

## CONSONANT OIKOR-RANG

(Consonant Letters)

B CH D G H

J K L M N

NG P R S T

W ▪

The last consonant letter ▪ is called Raka (glottal stop).

# A

## Achak

Dog

Amak bolo roa.

Angni jaksi ro·a.

Ama noko donga.

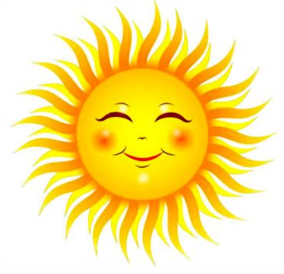

| | | |
|---|---|---|
| Ambare | Sal | Dama |
| Gooseberry | Sun | Drum |

A A A

# E

## E·sal

Plantain leaf

Ian e·ching.

Menggo noko donga.

La te·e chi·a.

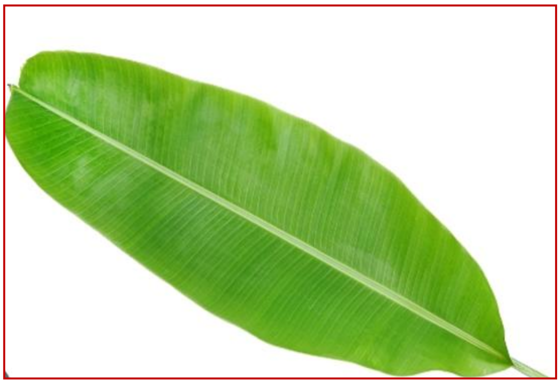

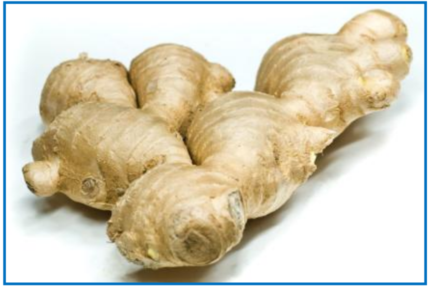

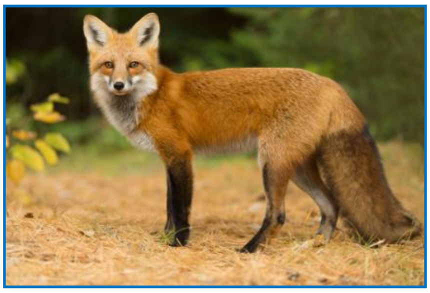

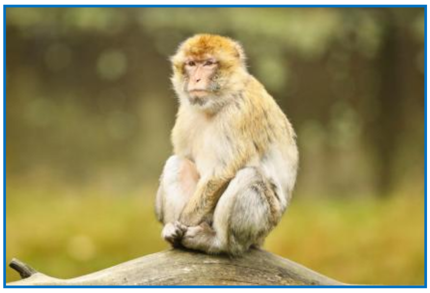

| E•ching | Peru | Makkre |
|---|---|---|
| Ginger | Jackal | Monkey |

E E E

# I

# Ita

Brick

Chi joka.

Bi·sa tua.

Ambi nama.

Bi·sa

Child/baby

Kni

Hair

I

I I I

# ɨ

## Mɨkron

Eye

Mɨkka waa.

Chɨpu dal•a.

Achak sɨla.

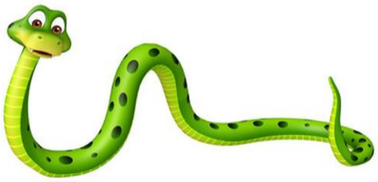

| Chɨpu | Gɨtcak |
|---|---|
| Snake | Red colour |

ɨ

ɨ ɨ ɨ

# O

## Ok

Stomach

Okgɨpu bu·su gnang.
Ia nokni bilbang.
Nono mi cha·ang.

Okgipu
Porcupine

Holdi
Turmeric

Menggo
Cat

O O O

U

Ut

Camel

Udare bite.

Budu ro·a.

Matchu cha·ama.

| Guk | Lau |
|---|---|
| Grasshopper | Ash gourd |

U

U U U

B

Bol

Tree

Bapme mikoenga
Ambare mesenga
Bija sa·enga.

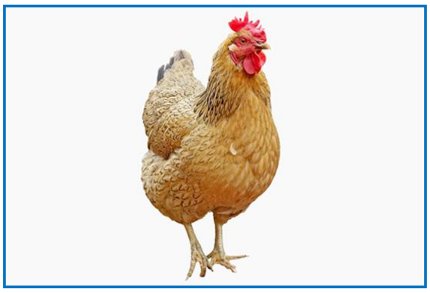

B

| Bijak | Do•bima |
|---|---|
| Leaf | Hen |

B B B

# Ch

Chambɨl

Wild citrus fruit

Ian chuna.
Atchu noko donga.
Atchɨng jakko chɨka.

Chibrim

Ant

Bitchil

Seed

Ch

Ch Ch Ch

# D

## Do·bak

Bat

Dama dokbo.
Adɨl sɨkbo.
Songbad poraibo.

| Do•sik | Budu | Songbad |
|---|---|---|
| Parrot | Rope | Newspaper |

D D D

# G

## Grong

Horn

Guk samo donga.
Megɨl chɨmonga.
Do·grɨngo bɨtchi donga.

| | |
|---|---|
| 🟥 | |
| Gitchak | Megap |
| Red | Straw |

G

G G G

# H

Hal

Plough

Huro mɨkoenga.

Lahachi atte data.

Holdi ge·enga.

Huro

Hoolock Gibbon

Jahas

Yacht

H

H H H

# J

## Jam

Granary house

Jambura bɨm·romrom.

Jajong jarambong.

Jal·ɨk mɨna.

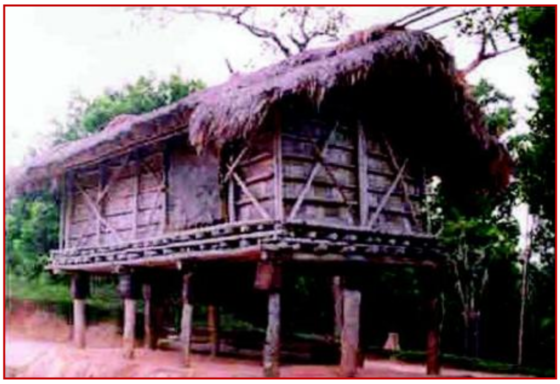

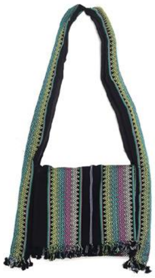

Jola

Carry bag

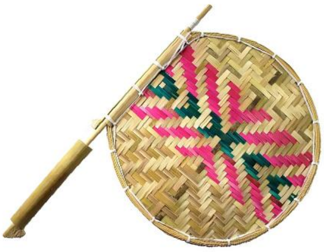

Gijɨp

Hand fan

J

J J J

# K

## Kɨl

Cotton

Ku·chɨl gɨtchak.

Akkaru gɨpok.

Kera-o mi ola.

| | | |
|---|---|---|
| Ku•chil | Jaksi | Nok |
| Lip | Finger | House |

K

K

K

# L

## Lem

Lamp

Letchu mɨna.
Alarɨng chio donga.
Wa·al chɨng·a.

| | | |
|---|---|---|
| | | |
| Letchu | Jal•ik | Wa•al |
| Litchi | Chilli | Fire |

L L L

# M

## Me·rakku

Maize

Bolo mat roa.

Am·bol noko gapa.

Apa am wata.

Mat

Squirrel

Am·bol

Firewood

Am

Mat

M M M

# N

## Nachɨl

Ear

Na·tok chio jroa.
Kni ro·a.
Be·en gran.

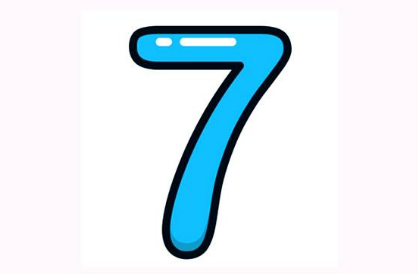

| Na•tok | Sni | Sogɨn |
|---|---|---|
| Fish | Seven | Vulture |

N N N

# Ng

Cheng

Tamarind

Chola a·mangrong.

Borang te·sa.

Wa·ani jal·ang.

Chi tingtot

Water drop

Dolong

Bridge

Ng

Ng Ng Ng

# P

Pan

Betel leaf

Ian Gap.
Spɨn mɨnbaenga.
Megap so·enga.

| Peru | Spɨn | Noktop |
|---|---|---|
| Jackal | Sesame seed | Hut |

P P P

# R

## Rong·te

Stone

Rasɨn bijak.

Aram nitoa.

Peru mɨkoa.

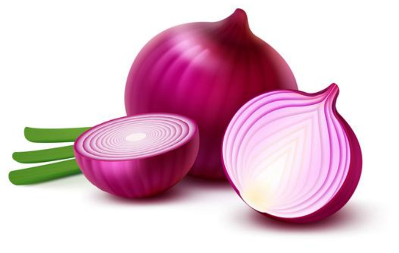

| Rasin gitchak | Borang |
|---|---|
| Onion | Tree house |

R

R R R

# S

## Sobok

Banana flower

Sal raka.
Bijak tangsek.
Jahas kapram.

| | | |
|---|---|---|
| 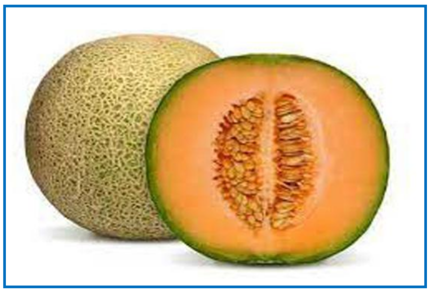 | 🟩 | |
| So•po | Tangsek | Jahas |
| Muskmelon | Green | Yatch |

S S S

# T

## Ta·miłang

Sweet potato

Ta·a cha·na toa.
Atte namen mata.
Matchu bolot.

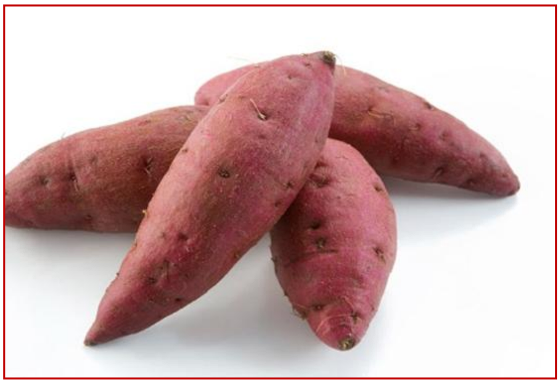

| Te•matchi | Na•tok | Matchu bolot |
|---|---|---|
| Lemon | Fish | Bull |

T T T

W

Wagam

Teeth

Wa·a bipang.

Awa grapa.

Wak bi·sa.

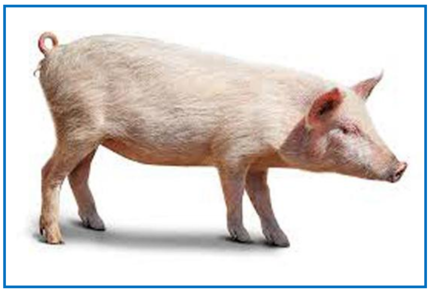

W

| Wak | Awa |
|---|---|
| Pig | Infant |

W W W

# Ja·a

Leg

Do·sıkni ku·sık gitchaka.

Na·tok chio jroa.

Me·kin cha·na toa.

Do·de

Peacock

Me·a

Bamboo shoot

# PASING CHAKBO

(Counting number)

| | | |
|---|---|---|
| 1 | Sa | 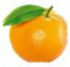 |
| 2 | Gni | 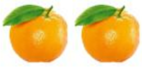 |
| 3 | Gittam | 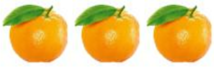 |
| 4 | Bri | 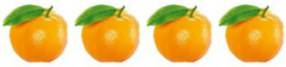 |
| 5 | Bonga | 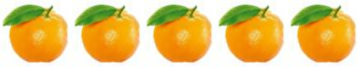 |
| 6 | Dok | 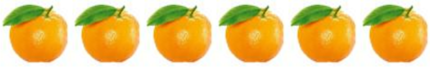 |
| 7 | Sni | 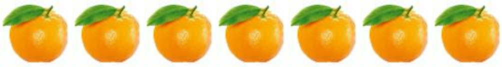 |
| 8 | Chet | 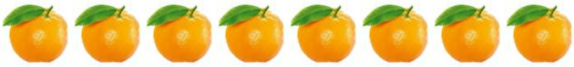 |
| 9 | Sku | 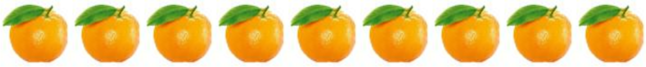 |
| 10 | Chikking | 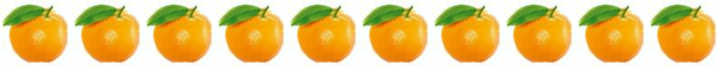 |

| | | |
|---|---|---|
| 11 | Chi·sa | 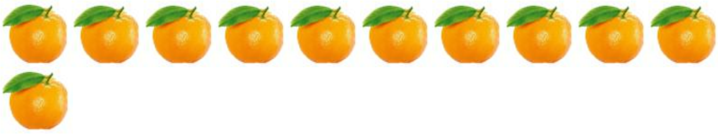 |
| 12 | Chi·gni | 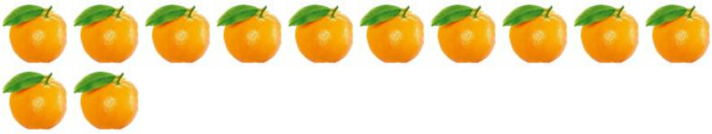 |
| 13 | Chi·gittam | 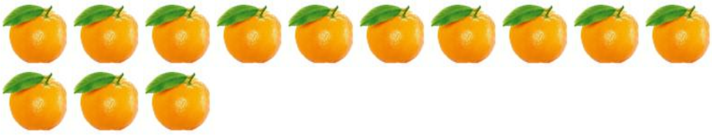 |
| 14 | Chi·bri | 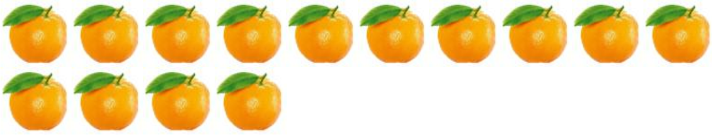 |
| 15 | Chi·bonga | 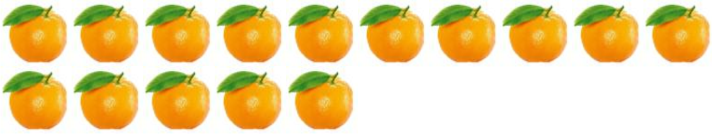 |
| 16 | Chi·dok | 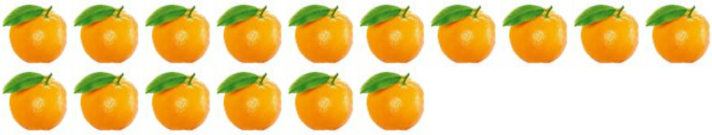 |
| 17 | Chi·sni | 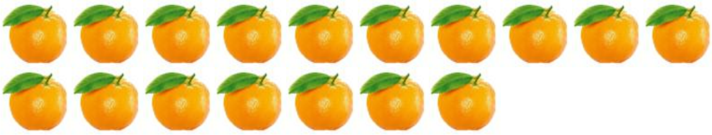 |
| 18 | Chi·chet | 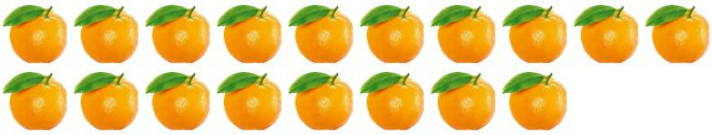 |
| 19 | Chi·sku | 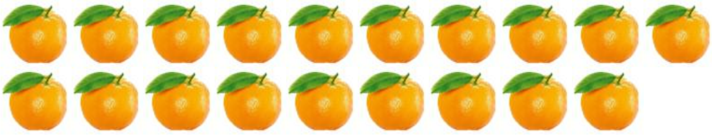 |
| 20 | Kolgrik | 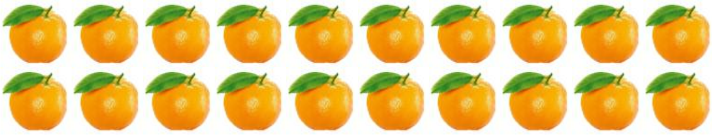 |

| | | | | |
|---|---|---|---|---|
| 1 | 1 | 1 | 1 | |
| 2 | 2 | 2 | 2 | |
| 3 | 3 | 3 | 3 | |
| 4 | 4 | 4 | 4 | |
| 5 | 5 | 5 | 5 | |
| 6 | 6 | 6 | 6 | |
| 7 | 7 | 7 | 7 | |
| 8 | 8 | 8 | 8 | |
| 9 | 9 | 9 | 9 | |
| 10 | 10 | 10 | 10 | |

| | | | | |
|---|---|---|---|---|
| 11 | 11 | 11 | 11 | |
| 12 | 12 | 12 | 12 | |
| 13 | 13 | 13 | 13 | |
| 14 | 14 | 14 | 14 | |
| 15 | 15 | 15 | 15 | |
| 16 | 16 | 16 | 16 | |
| 17 | 17 | 17 | 17 | |
| 18 | 18 | 18 | 18 | |
| 19 | 19 | 19 | 19 | |
| 20 | 20 | 20 | 20 | |

# ENGLISH OIKOR-RANG
## (English Letters)

| | | | | | |
|---|---|---|---|---|---|
| A | B | C | D | E | F |
| G | H | I | J | K | L |
| M | N | O | P | Q | R |
| S | T | U | V | W | X |
| | | Y | Z | | |

# ePathshala

## Step-by-Step guide for users to access e-resources linked to QR Codes

The coded box placed on the first page of every chapter is called quick Response (QR) Code. It will help you to access e-resources such as audios, videos, multi-media, texts, etc. related to themes given in the chapter. The first QR code is to access the complete e-textbook. The subsequent QR codes will help you access the relevant e-resources linked to each chapter. This will help you enhance your learning in a joyful manner.

Follow the steps given below and access the e-Resources through your smartphone or tablet using ePathshala

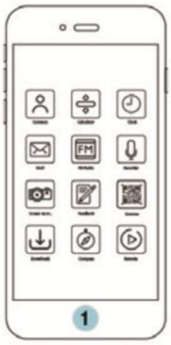

Install ePathshala Scanner app from Play Store and open

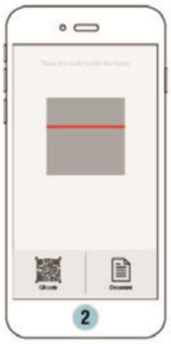

Get ready with QR code scanning window

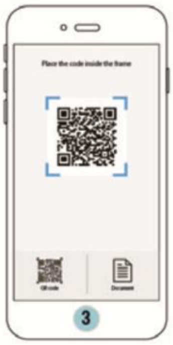

Place scanner above the QR code

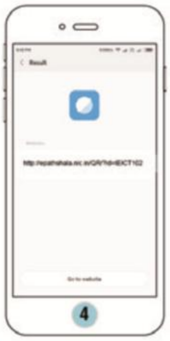

Select and click on the link

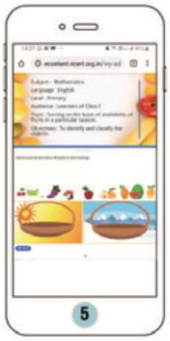

Use available e-Resource

**For accessing the e-Resources using e-Pathshala on desktop or laptop follow the step stated below:**

Go to https://epathshala.nic.in/topics.php and enter the alphanumeric code given below the QR code

# DIKSHA

Download **DIKSHA** app from Google Playstore and follow the steps given below and access the e-Resources through your smartphone or tablet using **DIKSHA**

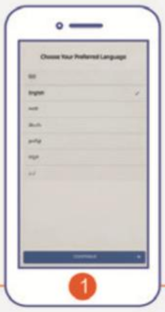

Select preferred language

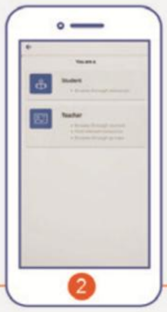

Choose your role: Student or Teacher

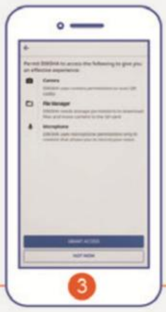

Grant access and allow app permissions

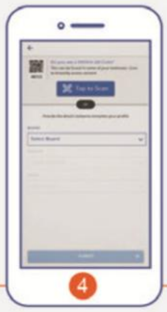

Tap to scan the QR code

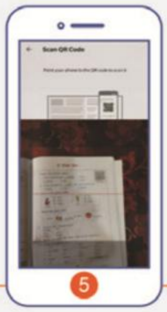

Focus camera on the QR code in textbook

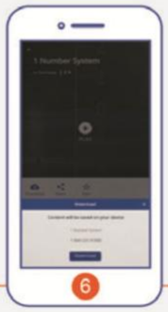

Click to Play QR code specific e-resource(s)

**For accessing the e-Resources using DIKSHA on desktop or laptop follow the step stated below:**

Go to https://diksha.gov.in/resources and enter the alphanumeric code given under the QR code

## PREPARATION OF BILINGUAL PRIMERS (EARLY GRADE) FOR BHARATIYA LANGUAGES JOINTLY BY CIIL & NCERT (Phase-1)

### SCHEDULED LANGUAGES

| Sl. No. | Languages |
|---|---|
| 1 | ASSAMESE |
| 2 | BENGALI |
| 3 | BODO |
| 4 | DOGRI |
| 5 | GUJARATI |
| 6 | HINDI |
| 7 | KANNADA |
| 8 | KASHMIRI |
| 9 | KONKANI |
| 10 | MAITHILI |
| 11 | MALAYALAM |
| 12 | MANIPURI |
| 13 | MARATHI |
| 14 | NEPALI |
| 15 | ODIA |
| 16 | PUNJABI |
| 17 | SANSKRIT |
| 18 | SANTALI |
| 19 | SINDHI |
| 20 | TAMIL |
| 21 | TELUGU |
| 22 | URDU |

### NON - SCHEDULED LANGUAGES

| Sl. No. | Languages |
|---|---|
| 1 | ADI |
| 2 | ANAL |
| 3 | ANGAMI |
| 4 | AO |
| 5 | BHILI (VASAVA) |
| 6 | BHUTIA |
| 7 | BISHNUPRIYA MANIPURI |
| 8 | DEORI |
| 9 | DIMASA |
| 10 | GADABA (GUTOB) |
| 11 | GARO |
| 12 | HALBI |
| 13 | HMAR |
| 14 | JATAPU (KUVI) |
| 15 | JUANG |
| 16 | KABUI |
| 17 | KARBI |
| 18 | KHANDESHI |
| 19 | KHARIA |
| 20 | KINNAURI |
| 21 | KISAN (KUNHU) |
| 22 | KODAVA |
| 23 | KOKBOROK |
| 24 | KOLAMI |
| 25 | KONDA |
| 26 | KORKU |
| 27 | KORWA |
| 28 | KOYA |
| 29 | KUI |
| 30 | KUKI |
| 31 | KURUKH |
| 32 | KUZHALE (KHEZHA) |
| 33 | LEPCHA |
| 34 | LIANGMAI |
| 35 | LIMBU |
| 36 | LOTHA |
| 37 | MAO |
| 38 | MISHMI (IDU) |
| 39 | MISING |
| 40 | MIZO |
| 41 | MOGH |
| 42 | MUNDARI |
| 43 | NYISHI (NISSI) |
| 44 | RABHA |
| 45 | RAI |
| 46 | SHERPA |
| 47 | SAVARA (SORA) |
| 48 | SÜMI (SEMA) |
| 49 | TAMANG |
| 50 | TANGKHUL |
| 51 | TANGSA |
| 52 | TIWA (LALUNG) |
| 53 | TULU |
| 54 | WANCHO |

**भारतीय भाषा संस्थान**
**Central Institute of Indian Languages**
(Department of Higher Education, Ministry of Education, GoI)
Manasagangotri, Mysuru - 570 006
☎ 0821 2515820 (Director) / ✉ ada-ciilmys@gov.in

विद्ययाऽमृतमश्नुते
एन सी ई आर टी
NCERT
**राष्ट्रीय शैक्षिक अनुसंधान और प्रशिक्षण परिषद्**
**National Council of Educational Research and Training**
Sri Aurobindo Marg
New Delhi - 110016
☎ 011 2696 2580 / ✉ dceta.ncert@nic.in